VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS 24 DEC 2021 RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1865)

Name of Candidate	Rajnish Patil		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	984013
Center	Mukherjee Nagar	Date	24/12/2021

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. **(a)** An ethical action is rooted in the temporal and spatial dimensions of societies. Discuss with adequate examples. **(150 words) 10**

एक नैतिक कार्य समाज के लौकिक और स्थानिक आयामों में निहित होता है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए।

नैतिक मूल्यों के विकास में परिस्थितियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है वे परिस्थितियाँ सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक के साथ-साथ लौकिक और स्थानिक भी हो सकती है।

लौकिक और स्थानिक आयामों का नैतिकता में योगदान

→ इसे पहाड़ी प्रदेशों के लोगों के उदाहरण से समझा जा सकता है वहाँ की कठिन दशाओं ~~में~~ में जीवनयापन हेतु 'परिश्रम का मूल्य' मैदानी प्रदेशों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होता है।

→ ठंडे प्रदेशों, जहाँ तापमान शून्य से नीचे रहता है, वहाँ मदिरापान तथा मांसभक्षण जैसे मूल्य प्रायः भौगोलिक परिस्थितियों में अनैतिक नहीं माने जाते हैं।

→ लौकिक आयामों एवं स्थानिक आयामों के आधार पर नैतिकता के निर्धारण का ही परिणाम है कि नैतिक मूल्यों एवं कर्तव्यों में स्थान परिवर्तन के चलते व्यापक भिन्नता नजर आती है।

1. **(b)** Unstable marriages and families can lead to failures of moral development in children and overall moral decline in the society. Discuss.

(150 words) 10

अस्थिर विवाह और परिवार बच्चों में नैतिक विकास की विफलता और समाज में समग्र नैतिक गिरावट का कारण बन सकते हैं। विवेचना कीजिए।

पारिवारिक संबंधों में बिखराव आधुनिक युग का एक कड़वा यथार्थ है। इसका बच्चों पर सबसे प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसे अधोलिखित संदर्भों में समझा जा सकता है —

बच्चों के नैतिक विकास पर प्रभाव

→ बच्चों का भावनात्मक बुद्धिमत्ता से संबंधी विकास 2 साल के बाद से ही शुरु होता है। शुरुआती विकास में परिवार की भूमिका सर्वाधिक होती है अतः यह बाधित।

→ व्यक्ति में मूल्यों के विकास में पहला महत्वपूर्ण योगदान परिवार का होता है। अतः मूल्यों का पूर्ण विकास करना मुश्किल होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ उनकी अभिवृत्तियाँ जीवन के शुरूआती दौर में ही कड़वे अनुभवों के चलते नकारात्मक हो जाएगी। जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करने में चुनौती आएगी।

→ भावनात्मक अकेलेपन में मानसिक विकास बाधित होगा।

समाज में नैतिक गिरावट

→ चूंकि आज के बच्चों से ही कल का समाज बनेगा अतः अन्ततोगत्वा सामाजिक नैतिकता के स्तर का गिरना स्वाभाविक है।

उपर्युक्त समस्याओं से बचने हेतु पारिवारिक संबंधों की मजबूती एवं परिवार संस्था के महत्व को समझने की जरूरत है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) An ethical work culture is a prerequisite for sustainable growth of an organization. Discuss and suggest some measures to build an ethical work culture in an organization. (150 words) 10

एक नैतिक कार्य संस्कृति एक संगठन के सतत विकास हेतु एक पूर्वापेक्षा है। विवेचना कीजिए एवं किसी संगठन में नैतिक कार्य संस्कृति के निर्माण के लिए कुछ उपाय सुझाइए।

कार्य संस्कृति से आशय संस्था के संपूर्ण परिवेश एवं प्रक्रिया के प्रति कर्मचारियों की मनोवृत्ति से है।

नैतिक कार्य संस्कृति का संगठन के विकास पर प्रभाव

- ग्राहकों में छवि अच्छी होने से दीर्घावधिक संबंधों का विकास होता है।
- टीमभावना के विकास से दक्षता बढ़ती है।
- कर्मचारी भावनात्मक लगाव से काम करते हैं।

नैतिक कार्य संस्कृति के निर्माण के उपाय

- नियम, प्रक्रियाएँ, आचरण के प्रतिमान नैतिक सिद्धांत बिल्कुल स्पष्ट होने चाहिए और इनका अनुपालन भी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुनिश्चित होना चाहिए। वस्तुत: निजी क्षेत्र में अच्छी कार्य संस्कृति के पीछे इन्हीं कारकों के योगदान को माना जाता है।

⇒ कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन सोपानक्रम में ऊपर से होना चाहिए।

⇒ कार्य संस्कृति के विकास के शुरुआती दौर में कर्मचारियों को लचीलापन देना चाहिए ताकि परिवर्तन का उन्हें समय मिले।

⇒ कर्मचारियों एवं संगठन के बीच भावनात्मक संबंध के विकास को महत्व देना चाहिए। यह प्रवृत्ति जापानी संगठनों की विशिष्ट विशेषता रही है।

उपर्युक्त प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों में नैतिक उत्थान भी कार्य संस्कृति पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) Crises, humanitarian or economic, often create the perfect storm for corruption to thrive. Discuss with examples. What measures can be taken to mitigate corruption during a crisis? **(150 words) 10**

मानवीय या आर्थिक, संकट प्रायः भ्रष्टाचार के फलने-फूलने के लिए उचित परिवेश का निर्माण करते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। संकट के दौरान भ्रष्टाचार को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

भ्रष्टाचार से आशय व्यापक हितों को लक्षित करने वाले संसाधनों का प्रयोग अनुचित तरीके से स्वहित के पोषण से है इसके कई कारक हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार के कारक
- ऐतिहासिक कारक → परंपरा बन जाता है भ्रष्टाचार
- सामाजिक कारक → सामाजिक स्वीकार्यता से वृद्धि होती है
- कानूनी कारक
- आर्थिक कारक

→ आर्थिक अथवा मानवीय संकट के समय संसाधन सीमित होते हैं इस हेतु प्रतिस्पर्द्धा में वृद्धि से अनुचित तरीके से संसाधन प्राप्ति की प्रेरणा में वृद्धि होती है। इसे गरीब देशों एवं क्षेत्रों में भ्रष्टाचार की तीव्रता

से जोड़कर देखा जा सकता है।

→ आर्थिक एवं मानवीय संकट में प्रशासन द्वारा कानून प्रवर्तन की भी चुनौती होती है जिसका लाभ भ्रष्ट लोग उठाते हैं।

→ आर्थिक एवं मानवीय संकट में जनता का ध्यान अन्य मूलभूत आवश्यकताओं पर अधिक होता है अतः भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति में वृद्धि होती है।

हाल ही में COVID-19 के संकट का भ्रष्टाचार वृद्धि में प्रभाव करप्शन परसेप्शन मानकों में नकारात्मक वृद्धि से देखकर लगाया जा सकता है।

उपाय → सूचनाओं का सक्रिय प्रकटीकरण
→ पारदर्शिता

→ संस्थाओं द्वारा अतिरिक्त चौकसी बरती जाय उदाहरण, CVC, CBI आदि।

→ ई-प्रौद्योगिकी इस दिशा में सस्ता एवं प्रभावी समाधान है।

→ नागरिकों को सचेत करना, व्हिसिल ब्लोअर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** Discuss the various ethical concerns associated with vaccine passport for international travel. Also, suggest the measures that can be taken to deal with these concerns. **(150 words) 10**

अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए वैक्सीन पासपोर्ट से संबद्ध विभिन्न नैतिक चिंताओं पर चर्चा कीजिए। साथ ही, इन चिंताओं से निपटने के लिए किए जा सकने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

हाल ही में ब्रिटेन द्वारा भारत में निर्मित कोवीशील्ड के प्रति भेदभावपूर्ण मानदंडों के चलते वैक्सीन पासपोर्ट संबंधी बहस और तीव्र हुई है।

वस्तुतः देशों द्वारा विदेशियों के आगमन हेतु वैक्सीन की अनिवार्यता ही वैक्सीन पासपोर्ट कहलाता है।

इससे संबंधित नैतिक चिंताएँ अधोलिखित हैं।

→ चूंकि वैक्सीन का वितरण असमान है अतः वैक्सीन पासपोर्ट की प्रवृत्ति से गरीब देशों के नागरिकों के साथ भेदभाव हो सकता है इसे पश्चिमी देशों द्वारा विकसित मानदंडों के संदर्भ में समझा जा सकता है।

उपाय

→ GAVI के तहत वैक्सीन उपलब्धता में वृद्धि की जाय।

→ WTO के प्रावधानों के तहत भारत एवं दक्षिण अफ्रीका द्वारा प्रस्तावित अनिवार्य लाइसेंसिंग प्रावधानों को स्वीकृत किया जाय।

→ WHO द्वारा स्वीकृत सभी वैक्सीनों को सभी देशों द्वारा मान्यता दी जाय। विदित है कि पश्चिम के कुछ देशों ने साइनोफार्म और भारत बायोटेक को नहीं स्वीकारा है।

→ गरीब देशों के नागरिकों के संबंध में सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाय।

उपर्युक्त प्रावधानों से वैक्सीन पासपोर्ट से संबंधित चिंताओं को काफी हद तक दूर किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** The edifice of good corporate governance is dependent on the efficacy and effectiveness of independent directors. Discuss. **(150 words) 10**

उत्तम कॉर्पोरेट शासन का आधार स्वतंत्र निदेशकों की प्रभावकारिता और प्रभावशीलता पर निर्भर है। विवेचना कीजिए।

कार्पोरेट शासन से आशय कार्पोरेट के भीतर सभी नियमो, प्रक्रियाओं आदि का अनुपालन सुनिश्चित करने से है ताकि सभी हितधारकों के हितों की रक्षा की जा सके। स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका कार्पोरेट के भीतर अल्पसंख्यक हितधारकों के हितों की रक्षा करना है।

स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका

→ इनका कंपनी के हितों से जुड़ाव न होकर हितधारकों के हितों की रक्षा करना दायित्व होता है।

→ ये कंपनी में आंतरिक स्तर पर ईमानदारी, प्रक्रियाओं का अनुपालन, नैतिकता का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अनुपालन सुनिश्चित करवाते हैं।

→ ये प्रबंधन के दबाव में आए बिना स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं।

→ इसके अभाव में कार्पोरेट शासन सुनिश्चित करना मुश्किल होगा।

स्वतंत्र निदेशकों की संख्या में वृद्धि हेतु कोटक समिति तथा SEBI की सिफारिशों से इसके महत्व का पता लगाया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरणों का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "Enlightenment is man's emergence from his self-incurred immaturity." - Immanuel Kant **(150 words) 10**

"प्रबोधन, मनुष्य की अपनी स्वयं की अपरिपक्वता से उभरना है।" - इमैनुएल कांट

प्रबोधन मानव विकास की वह अवस्था है जब मनुष्य पारलौकिक मान्यताओं, धार्मिक आडम्बरों से बाहर निकलकर तार्किक चिंतन करने मे सक्षम होता है और इनसब के केंद्र में 'मनुष्य' को रखता है। इस संबंध में कांट के उपर्युक्त कथन को प्रामाणिक माना जाना चाहिए।

वस्तुत: धार्मिक आडम्बरों, पारलौकिक मान्यताओं के इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि जब मनुष्य को कार्य के कारण का ज्ञान नहीं होता है अर्थात् वह अज्ञानी होता है अर्थात् वह अभी मानव विकास की दृष्टि से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

परिपक्व नहीं होता है तो ही वह ईश्वरीय सत्ता तथा इस संबंध में अतार्किक मतों को स्वीकार करता है।

मनुष्य अपरिपक्व था तब उसे प्रकृति में परिवर्तन जैसे - वर्षा, आग लगना आदि का ज्ञान नहीं था। ज्यों ज्यों वह परिपक्व होता गया उसका प्रबोधन होता गया।

यहाँ इस आधार पर समझ लेना चाहिए कि जिस तरह मनुष्य लगातार परिपक्व होता जा रहा है उसके प्रबोधन का स्तर भी उठता जा रहा है अतः प्रबोधन एक नियत स्थिति न होकर गतिशील अवधारणा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) 'Knowledge gives us power, love gives us fullness.' – Dr. Sarvepalli Radhakrishnan **(150 words) 10**

'ज्ञान हमें शक्ति देता है, प्रेम हमें पूर्णता देता है।' - डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

ज्ञान के महत्व को दुनिया के सभी दर्शनों में किसी न किसी रूप में स्वीकार गया है, भले ही ज्ञान को परिभाषित करने का तरीका अलग रहा हो। पश्चिम के दार्शनिक सुकरात का कथन है–

"विवेक ही एकमात्र सद्गुण है।"

वस्तुतः सुकरात का विवेक से आशय सोच समझकर निर्णय लेने की क्षमता से है। यह भी एक तरह से ज्ञान ही है।

इसी तरह भारत में भक्ति एवं ज्ञान के द्वंद्व में भी ज्ञान के महत्व को सभी ने किसी न किसी स्तर पर स्वीकार किया है।

आज के जीवन में ज्ञान की प्रासंगिकता को इस तरह समझा जा सकता है

⇒ आज की अर्थव्यवस्था ही 'ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था' है अतः यदि किसी को 21वीं सदी में स्वयं को स्थापित करना है तो ज्ञान सबसे महत्वपूर्ण पूँजी है।

⇒ ज्ञान से विकल्पों में वृद्धि होती है। अपवंचनाओं से लड़ने में ज्ञान सबसे मजबूत साधन है। एक गरीब बालक का संपूर्ण विकास एवं उत्थान ज्ञान से ही संभव है।

⇒ ज्ञान के बिना सशक्तीकरण के सारे प्रयास अधूरे रहते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) The issue of marital rape is often ignored due to the belief that marriage is a sacred institution. In this context, discuss whether marital rape should be criminalised. **(150 words) 10**

वैवाहिक बलात्कार के मुद्दे को प्रायः इस विश्वास के कारण नजरअंदाज कर दिया जाता है कि विवाह एक पवित्र संस्था है। इस संदर्भ में चर्चा कीजिए कि क्या वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित किया जाना चाहिए।

वैवाहिक बलात्कार वर्तमान समाज के समक्ष विद्यमान तमाम नैतिक चिंताओं में प्रमुख स्थान रखता है।

वैवाहिक बलात्कार क्या है?

→ यदि पति अथवा पत्नी द्वारा वैवाहिक संबंध में होते हुए भी बिना सहमति के यौन संबंध बनाने का प्रयास होता है तो यह वैवाहिक बलात्कार होगा।

परिवार संस्था से टकराव

→ वस्तुतः इस संदर्भ में भारत के उच्चतम न्यायालय का मानना है कि चूँकि वैवाहिक बलात्कार के संबंध में वास्तविकता का पता लगाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अत्यधिक जटिल है अतः इसके दुरुपयोग से पारिवारिक संबंधों में तनाव में वृद्धि होगी एवं भारतीय संस्कृति की पहचान परिवार संस्था प्रभावित होगी

⇒ वहीं इसके विपक्ष में भी तर्क हैं। वस्तुतः 'बलात्कार होना' एक अपराध है इसमें यह आधार महत्वपूर्ण नहीं है कि 'बलात्कार कौन' कर रहा है।

⇒ बलात्कार व्यक्ति के जीवन के अधिकार (Art 21) का उल्लंघन करता है। अतः वैवाहिक बलात्कार को भी अपराध की श्रेणी में शामिल करना चाहिए हालाँकि अधिक प्रभावी उपाय लैंगिक संवेदनशीलता के प्रति सामाजिक जागरूकता का स्तर ऊपर उठाकर किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Students should be taught the importance of "doing what's right" at a young age. Discuss how the New Education Policy seeks to impart value based education to students of all age groups. **(150 words) 10**

छात्रों को कम आयु में "जो सही है उसे करने" का महत्व सिखाया जाना चाहिए। चर्चा कीजिए कि नई शिक्षा नीति सभी आयु समूहों के छात्रों में मूल्य आधारित शिक्षा का कैसे समावेश करती है।

नई शिक्षा नीति, 2020 में छात्रों के सर्वांगीण विकास जिसमें कि नैतिक विकास भी शामिल है, का भी पर्याप्त ध्यान रखा गया है।

वस्तुतः संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में तथा अमेरिका में CREIO के नेतृत्व में इस दिशा में सभी देशों को जागरूक करने का प्रयास लम्बे समय से चल रहा था

NEP, 2020 के प्रावधान

⇒ चित्रों तथा अन्य माध्यमों से भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास पर बल दिया गया है

→ नैतिक शिक्षा को विषय के रूप में महत्व पर जोर दिया गया है।

→ बच्चों में स्वतंत्र चिंतन द्वारा तार्किक कदम को प्रेरित करने हेतु प्रयोगों पर ध्यान दिया गया है।

→ दृश्य, श्रव्य माध्यमों द्वारा प्रशिक्षण पर बल दिया गया है ताकि भावनात्मक पक्ष का संपूर्ण विकास किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) The role of emotional intelligence is crucial for public servants in overcoming adversity. Discuss. (150 words) 10

प्रतिकूल परिस्थितियों से बाहर निकलने में लोक सेवकों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। चर्चा कीजिए।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय

स्वयं की भावनाओं के साथ-साथ अन्य की भावनाओं को समझने एवं उनका कुशल प्रबंधन करने की क्षमता है। डेनियल गोलमैन जैसे मनोविज्ञानियों ने इसे IQ से अधिक महत्वपूर्ण माना।

लोकसेवक हेतु महत्व

→ COVID जैसे संकट में लोकसेवक Emotional Intelligence (EI) का प्रयोग लोगों के सहयोग (स्वेच्छापूर्ण) सुनिश्चित करने में कर सकता था।

→ भीड़ को नियंत्रित करने में, दंगे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसी स्थिति में लोगों को समझने बुझाने में।

→ साथी कर्मचारियों को उनकी रुचि के अनुरूप कार्य आवंटन में EI का अनुप्रयोग।

→ कार्यालय में कार्य हेतु, सेवा भावना के विकास में EI का अनुप्रयोग।

वस्तुतः Daniel Golman के शब्दों में कहें तो 80% सफलता EI से तय होती है 20% IQ से।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** What are the important learnings from the life and teachings of Sri Adi Shankaracharya that can help public servants in their personal and professional lives. **(150 words) 10**

श्री आदि शंकराचार्य के जीवन और शिक्षाओं से ऐसी कौन-सी सीख प्राप्त होती हैं, जो लोक सेवकों को उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सहायता कर सकती हैं।

आदि शंकराचार्य 8वीं शताब्दी के विचारक है जिन्होने भारत में अद्वैतवादी दर्शन का प्रतिपादन किया।

शंकराचार्य के जीवन से मिलने वाली शिक्षाएँ

- स्वयं में विश्वास (अहं ब्रह्मास्मि)
- ज्ञान का महत्व उन्होंने स्थापित किया आज की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण।
- तीर्थाटन तथा अन्य आडंबरों को खारिज किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(c)** Citizen's Charters are tools that help conventional organizations develop socially sensitive and ethically oriented professional conduct. Elaborate. **(150 words) 10**

नागरिक चार्टर ऐसे साधन हैं जो पारंपरिक संगठनों को सामाजिक रूप से संवेदनशील और नैतिकता से युक्त पेशेवर आचरण विकसित करने में सहायता करते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

नागरिक चार्टर से आशय ऐसे दस्तावेज से है जिसमें किसी संगठन द्वारा प्रदत्त सेवाओं, मानकों, शिकायत निवारण तंत्रों आदि का उल्लेख होता है इसकी शुरुआत जॉन मेजर के नेतृत्व में इंग्लैण्ड में 1992 में हुई।

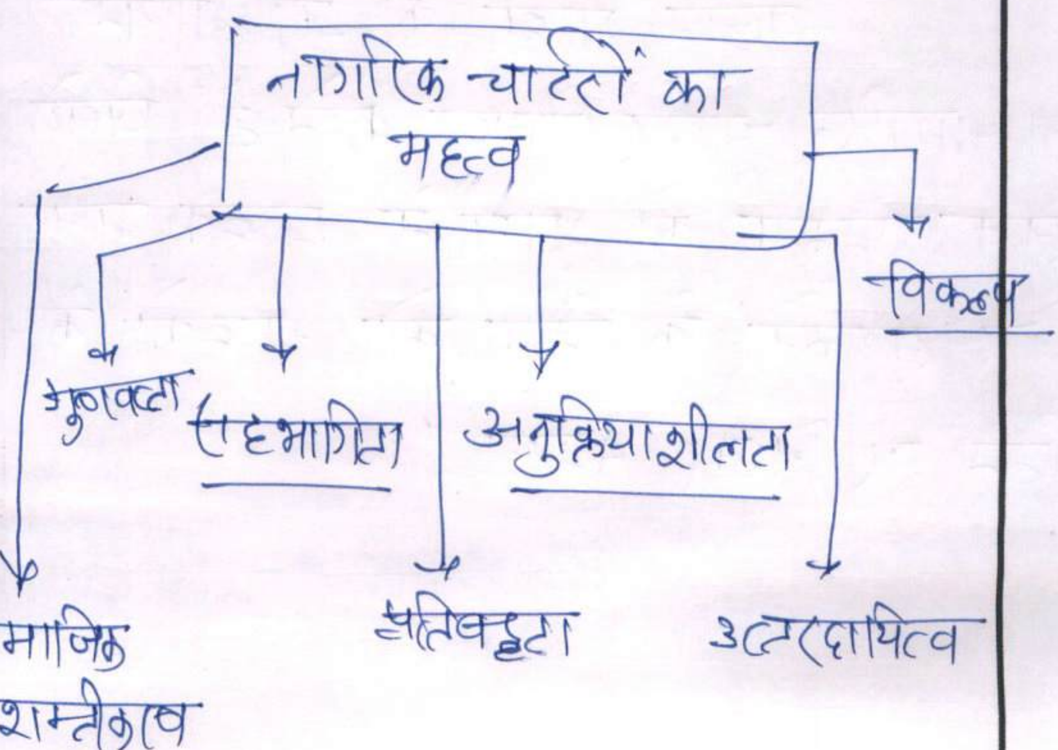

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पारंपरिक संगठनों में परिवर्तन लाने में योगदान

→ उनकी कार्य संस्कृति में सुधार करते हैं वस्तुतः नागरिक चार्टर से वे जवाबदेह बनते हैं।

→ नागरिकों की भागीदारी से संगठन एवं ग्राहक की दूरी घटती है संवेदनशीलता बढ़ती है।

वस्तुतः गांधी की उस मान्यता का नागरिक चार्टर पोषण करते हैं जिसमें सेवाप्राप्तकर्ता को गांधी ने ग्राहक माना और संगठनों के हित को ग्राहकों के हित पर निर्भर बताया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. You are working as the Head of the Human Resources Department in a consultancy firm ABC Corp. A female employee of the firm comes to you complaining about sexual harassment in the company premise at the hands of the CEO of one of your clients, XYZ Corp., when the latter visited your firm for a client interaction. XYZ Corp. happens to be a major source of revenue for your company. Also, the CEO of XYZ Corp. is considered as a very reputed professional and is highly regarded by the senior management of your firm. In the past, you have witnessed members of your senior management praise the professional and no-nonsense attitude of the CEO of XYZ Corp. However, the female employee, who has approached you, is also sure that the CEO knowingly misbehaved with her. In light of the situation:

(a) Discuss the issues involved in this case.

(b) What are the options available to you and what course of action would you take? Give logical arguments to support your answer. **(20)**

आप एक कंसल्टेंसी फर्म ABC Corp. में मानव संसाधन विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं।फर्म की एक महिला कर्मचारी यौन उत्पीड़न की शिकायत करने के लिए आपके पास आती है। यह शिकायत आपके एक क्लाइंट, XYZ Corp. के CEO के बिरुद्ध है, जब उसने कंपनी के परिसर में ग्राहक वार्ता के लिए आपकी फर्म का दौरा किया था। XYZ Corp. आपकी कंपनी के लिए राजस्व का एक प्रमुख स्रोत है। साथ ही, XYZ Corp. के CEO को एक बहुत ही प्रतिष्ठित पेशेवर माना जाता है और आपकी फर्म के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा अत्यधिक सम्मानित किया जाता है। अतीत में, आपने देखा है कि आपके वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्यों ने XYZ Corp. के CEO के पेशेवर और व्यावहारिक दृष्टिकोण की प्रशंसा की है। हालांकि, महिला कर्मचारी, जिसने आपसे संपर्क किया है, वह भी सुनिश्चित है कि CEO ने जानबूझकर उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। इस स्थिति के आलोक में:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं और आप क्या कार्रवाई करेंगे? अपने उत्तर के समर्थन में उचित तर्क दीजिए।

कार्यस्थल पर सुरक्षा का अभाव

कार्पोरेट जगत में महिला समानता और महिलाओं के शामक्त में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कम भागीदारी से जुड़ा रहा है। उपर्युक्त केस स्टडी में कुछ ऐसी ही परिस्थितियाँ नजर आ रही हैं जैसी कि हाल में चर्चित 'Me too Movement' में सुनने को मिली थीं।

इस प्रकरण में शामिल हितधारक हैं-

- महिला कर्मचारी की न्याय की आकांक्षा
- कंपनी का व्यवसायिक हित
- XYZ के CEO की प्रतिष्ठा
- मैं।
- मेरी कंपनी की कार्य संस्कृति

इस प्रकरण में अधोलिखित मुद्दे उपस्थित हैं -

1) महिला कर्मचारी को न्याय सुनिश्चित करवाने की दिशा में कंपनी का व्यवसायिक हित तथा XYZ Corp. के CEO के संबंध में मान्यता बाधा बन रही है।

2) इस बात की भी संभावना है कि कंपनी के वरिष्ठ स्तरीय प्रबंधन द्वारा इस केस को दबाने का प्रयास किया जाय।

3) हो सकता है कि XYZ के CEO अपनी प्रतिष्ठा का फायदा उठाते हुए केस को झूठ साबित करने का प्रयास करें।

4) इन सबके बीच मेरे सामने कर्तव्यपरायण बने रहते हुए केस पर तटस्थतापूर्वक कार्यवाही करने की चुनौती है।

उपलब्ध विकल्प

→ उपर्युक्त परिस्थितियों में एक विकल्प यह हो सकता है कि मैं तथ्यों के गुण दोष के विवेचन के आधार पर कार्यवाही करते हुए इस मामले को कानूनी प्रक्रिया (कार्यस्थल पर यौन

दुराचार से संबंधित अधिनियम) के तहत आगे बढ़ाऊँ और इस संबंध में कानून द्वारा जो मेरी भूमिका निर्धारित है उसका पालन करूँ।

→ दूसरी स्थिति यह भी हो सकती है कि मैं महिला कर्मचारी को यह समझाते हुए केस वापस लेने की विनती करूँ कि इससे कंपनी एवं XYZ Corp के CEO को बहुत नुकसान होगा।

→ तीसरी स्थिति तब उत्पन्न हो सकती है जब मेरी कंपनी का ऊपरी प्रबंधन मुझपर इस केस को दबाने हेतु कहे। तब मैं या तो उनकी बात को मान लूँ या फिर अनुनयन द्वारा उन्हें समझाने का प्रयास करूँ और अपनी कार्यवाही तटस्थता से करूँ।

→ इस संबंध में कोई कार्यवाही न करते हुए महिला को निष्कासित करने की प्रक्रिया शुरू करें।

उचित विकल्प

→ उपर्युक्त सभी विकल्पों में से मैं महिला कर्मचारी के प्रति संवेदनशील रुख अपनाते हुए XYZ Corp. के CEO के विरुद्ध कार्यवाही करूंगा। इस संबंध में मैं अपने ऊपरी प्रबंधन को भी समझाने का प्रयास करूंगा।

→ तर्क → कार्यस्थल पर यौन शोषण के संबंध में विशाखा दिशानिर्देश एवं विधायी प्रावधान बिल्कुल स्पष्ट रूप से कार्यवाही का समर्थन करते हैं।

→ कंपनी के हितों की जहाँ तक बात है तो, यदि महिला शोषण को दबाने की बात सार्वजनिक होती है तो भी छवि खराब होगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Records show that there have been numerous cases of custodial deaths in the last 20 years in India. Very few policeman have been convicted so far in such cases. Recently, you come across the case of custodial death of a youth in one of the backward districts of the country. It has been reported that the youth was detained on frivolous grounds of kidnapping a girl from another community. As a young graduate student, preparing for the civil services examination conducted by the UPSC, answer the following:

(a) Why is there a frequent violation of the code of conduct and abuse of authority by law enforcement officers at various levels in India?

(b) Is the use of violence and show of 'quick justice' by the policemen increasingly becoming acceptable by the society? Justify your stand with relevant arguments.

(c) What can be done to comprehensively deal with the issue of torture and custodial deaths in India? **(20)**

रिकॉर्ड बताते हैं कि भारत में पिछले 20 वर्षों में हिरासत में मौत के कई मामले सामने आए हैं। ऐसे मामलों में अब तक बहुत कम पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया गया है। हाल ही में, देश के पिछड़े जिलों में से एक में एक युवक की हिरासत में मौत का मामला आपके सामने आया है। बताया गया है कि युवक को दूसरे समुदाय की लड़की का अपहरण करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। एक युवा स्नातक और UPSC द्वारा आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले एक छात्र के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) भारत में विभिन्न स्तरों पर विधि प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा आचार संहिता का निरंतर उल्लंघन और प्राधिकार का दुरुपयोग क्यों किया जाता है?

(b) क्या पुलिसकर्मियों द्वारा हिंसा का प्रयोग और 'त्वरित न्याय' का प्रदर्शन समाज द्वारा अधिकाधिक रूप से स्वीकार्य होता जा रहा है? प्रासंगिक तर्कों के साथ अपने मत की पुष्टि कीजिए।

(c) भारत में यातना और हिरासत में होने वाली मृत्यु के मुद्दे से व्यापक रूप से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है?

हिरासत में मौतों के संदर्भ में भारत की स्थिति अत्यधिक खराब है। नेशनल मूवमेंट अगेंस्ट टार्चर के अनुसार हिरासत में हुई 70% मौतों में टार्चर एक कारक था। इसके अलावा अधिकारियों

के विरुद्ध कार्यवाही न होना भी इसको बढ़ावा देता है। उपर्युक्त केस स्टडी में जातिवादी मानसिकता, पुलिस अपराधी गठजोड़ आदि के संकेत नजर आ रहे हैं।

भारत में विधि प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा आचार संहिता एवं प्राधिकार का उल्लंघन क्यों ?

→① निजी मूल्यों और व्यवसायिक मूल्यों में विरोधाभास से ऐसा होना संभव है। उपर्युक्त केस स्टडी को ही आधार बनाकर देखें तो हो सकता है कि पुलिस अधिकारी जातिवादी रहा हो तथा एक ही जाति में विवाह का समर्थक रहा हो।

→② महत्वाकांक्षाओं का आचार संहिता से टकराव

↳ भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति ने आचार संहिता एवं प्राधिकार के अनुपालन को

सीमित किया है।

→ ③ कानून का निम्नस्तरीय प्रवर्तन :-

वस्तुतः हिरासत में मौतों के मामले में अभी तक के आंकड़े यही बताते हैं कि अधिकतर केसों में पुलिस अधिकारी बरी हो जाते हैं अतः इस संदर्भ में अनुपालन के प्रति जवाबदेही नहीं है।

पुलिसकर्मियों द्वारा त्वरित न्याय

→ न्यायालयों में लंबे समय तक चलने वाले वादों एवं पुलिस प्रशासन, IPC, CrPC आदि के समयानुरूपी न्याय सुनिश्चित करने में असफलता ने समाज में त्वरित न्याय की माँग को मजबूत किया है।

→ हाल ही में हैदराबाद में महिला पशु चिकित्सक की बलात्कार एवं हत्या मामले में एनकाउंटर को जो मीडिया

कवरेज एवं सार्वजनिक वाहवाही मिली इससे यह स्पष्ट है।

→ इसी तरह उत्तर प्रदेश में कानपुर के बिकरू कांड के आरोपी विकास दुबे के संदर्भ में भी इसे समझा जा सकता है।

हिरासत में मौतों से निपटने के उपाय

→ कानूनी प्रावधान सख्त किए जाएं।
→ मानवाधिकार आयोगों की शक्तियां बढ़ायी जाय ताकि वे दण्डात्मक कार्यवाही कर सकें।
→ अक्सर पुलिस विभाग ही इस तरह के वादों की जांच करता है। होना यह चाहिए कि कोई अन्य स्वतंत्र संस्था जांच करे।
→ अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस वर्ग के सभी कर्मचारियों को मानवाधिकारों के

प्रति जागरुक किया जाय।

वस्तुतः हिरासत में हाल में हुई स्टेन स्वामी की मौत से भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छवि खराब हुई। भारत के मानवाधिकार रिकार्ड भी इससे प्रभावित होते हैं अतः इस दिशा में ठोस कदम उठाया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. A prominent stand-up comedian from your country has recently delivered a performance at an event in another country. Owing to the fame and hype associated with this event, the performance has been broadcast across the globe to millions of viewers. In the performance, the comedian brings up the dichotomy and paradoxes associated with the society and culture of your country. He brings up issues like status of women, violence against women, caste, politics etc. in his monologue. The performance touches upon such sensitive issues that it has polarised the audience. A vast section of people are affected by this and have organized huge demonstrations and have appealed the government to direct the broadcasting platform to remove this content from their platform. They are also pushing the government to take action against the comedian. An FIR too has been filed against him. On the other hand, there is also a significant outpour of support for the comedian.

(a) What are the core ethical issues arising from this case?

(b) The recent spate of FIRs against show creators, artists etc. highlight the need of regulation of content that is circulated online. Should such a step be taken by the government? Substantiate with reasons. **(20)**

आपके देश के एक प्रमुख स्टैंड-अप कॉमेडियन ने हाल ही में किसी अन्य देश में एक कार्यक्रम में प्रस्तुति (परफॉरमेंस) दी है। इस आयोजन से जुड़ी प्रसिद्धि और प्रचार के कारण, उसके परफॉरमेंस को विश्व भर में लाखों दर्शकों के लिए प्रसारित किया गया। उक्त परफॉरमेंस में, कॉमेडियन आपके देश के समाज और संस्कृति से संबंधित द्वंद्व और विरोधाभासों को प्रकट करता है। वह अपने भाषण में महिलाओं की स्थिति, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, जाति, राजनीति आदि जैसे मुद्दों को उठाता है। परफॉरमेंस में ऐसे संवेदनशील मुद्दों को उठाया गया है जिन्होंने दर्शकों का ध्रुवीकरण कर दिया है। लोगों का एक बड़ा वर्ग इससे प्रभावित हुआ है और उन्होंने अनेक बड़े विरोध-प्रदर्शनों को आयोजित करते हुए सरकार से अपील की है कि वह प्रसारण मंच को इस सामग्री को अपने मंच से हटाने का निर्देश दे। वे कॉमेडियन के विरुद्ध कार्रवाई के लिए भी सरकार पर दबाव बना रहे हैं। उसके विरुद्ध FIR भी दर्ज कराई गई है। दूसरी ओर, एक बड़ा भाग कॉमेडियन का समर्थन भी कर रहा है।

(a) इस प्रकरण से उत्पन्न होने वाले प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) शो के निर्माताओं, कलाकारों आदि के विरुद्ध हाल ही में दर्ज हुए FIRs, ऑनलाइन प्रसारित होने वाली सामग्री के नियमन की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। क्या सरकार को ऐसा कदम उठाना चाहिए? उचित तर्क से पुष्टि कीजिए।

पिछले कुछ समय से इंटरनेट एवं अन्य तकनीकों के विस्तार ने नए-नए प्लेटफॉर्म के विकास को

सुनिश्चित किया है। हाल ही में Over the Top Services के साथ-साथ YouTube आदि पर उपर्युक्त परिस्थिति से मिलते जुलते कई मामले सामने आए हैं।

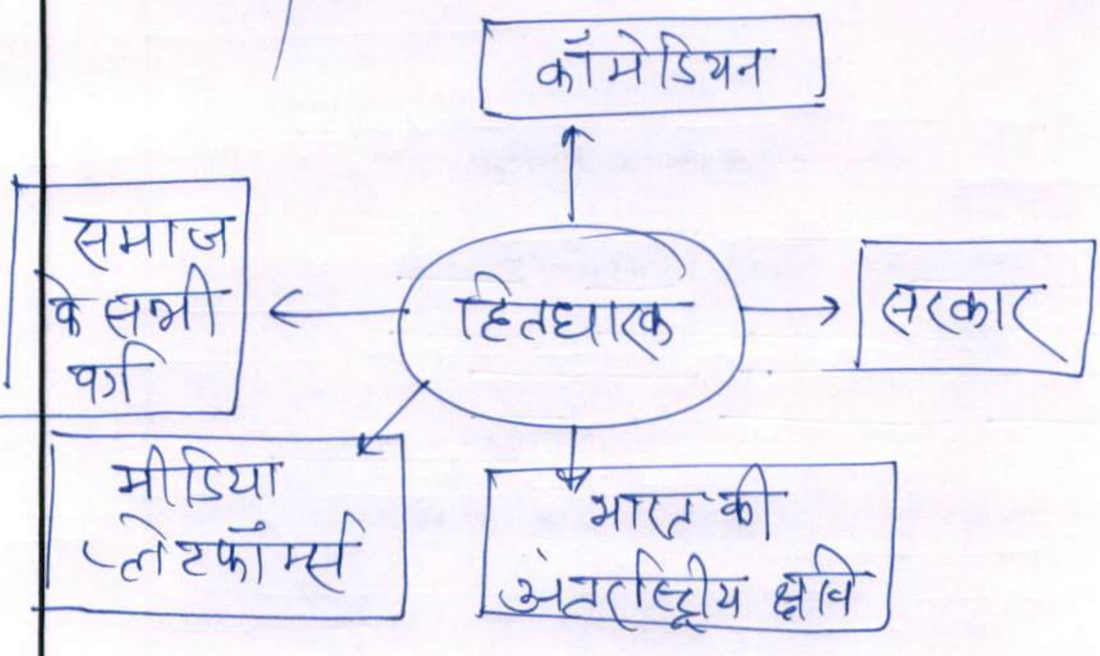

नैतिक मुद्दे

⇒ सबसे पहले सरकार के समक्ष यह सुनिश्चित करने की चुनौती है कि वह पूरी Video Clip को तथ्यों के गुण-दोष के आधार पर विवेचन करने के बाद

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

न्यायपूर्ण कार्यवाही करे बिना किसी पक्ष के दबाव में आए।

⇒ सभी वर्गों को संतुष्ट करने की चुनौती, कम से कम कोई आहत महसूस न करे।

⇒ इस तरह के कृत्यों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जो कि अनुच्छेद-19 के तहत मौलिक अधिकार है तथा लोक व्यवस्था एवं भारत की छवि के बीच संतुलन साधने की चुनौती है।

⇒ भविष्य में इस तरह की घटनाओं के संबंध में एक सैद्धांतिक मार्गदर्शिका जो कि संतुलित दृष्टिकोण से युक्त हो, के निर्माण की चुनौती है।

सरकार के भविष्य में क्या कदम हों?

→ वस्तुतः कई बार OTT प्लेटफॉर्म्स और

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्य गैर विनियमित प्लेटफार्म्स पर आपत्तिजनक सामग्रियों जिसमें अश्लीलता, सामाजिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बातों, सांप्रदायिक बातें, का प्रसारण हुआ है अतः इस दिशा में एक मार्गदर्शक सिद्धांत की तो जरूरत है ही।

⇒ हाल ही में सरकार द्वारा नए IT Rules का निर्माण इसी तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है।

⇒ वस्तुतः सरकार को पहले स्वनियमन को प्रेरित करना चाहिए एवं अंतिम उपाय के रूप में स्वयं को शामिल करना चाहिए ताकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के साथ-साथ सार्वजनिक नैतिकता, लोक व्यवस्था को भी सुरक्षित किया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are a District Magistrate posted in a backward district of the country. You are responsible for getting an Atal Residential School built on the village land in your district. The contract for the construction of the school has been assigned to a popular local leader's son. This land is presently occupied by tribal communities but they cannot produce any ownership records. They claim that they have resided on the land for generations. They also allege that the administration is pressurising them to vacate their land to build the school and have assured that they will be relocated elsewhere. However, they are hesitant to do so as it will uproot them from their homes and will affect their livelihood. One of the prominent tribal leaders has highlighted this issue and it has caught the attention of the mainstream media. In the light of the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders involved in the case and their respective interests.

(b) Discuss the various ethical concerns in the given case.

(c) What are the options available to you and which of these options you will choose? Justify. **(20)**

आप देश के एक पिछड़े जिले में पदस्थापित जिलाधिकारी हैं। आपको अपने जिले में गांव की भूमि पर अटल आवासीय विद्यालय बनवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विद्यालय के निर्माण का ठेका एक लोकप्रिय स्थानीय नेता के बेटे को सौंपा गया है। इस भूमि पर वर्तमान में आदिवासी समुदायों का कब्जा है लेकिन वे कोई स्वामित्व रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा सकते हैं। उनका दावा है कि वे पीढ़ियों से इस भूमि पर निवास कर रहे हैं। उनका यह भी आरोप है कि प्रशासन उन पर विद्यालय के निर्माण हेतु अपनी भूमि से हटने का दबाव बना रहा है और उन्हें कहीं अन्यत्र स्थानांतरित करने का आश्वासन दिया गया है। हालांकि, वे ऐसा करने में अनिच्छुक हैं क्योंकि यह उन्हें उनके घरों से निकाल देगा और उनकी आजीविका को भी प्रभावित करेगा। प्रमुख आदिवासी नेताओं में से एक ने इस मुद्दे को उजागर किया है और इसने मुख्यधारा की मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है। इस स्थिति के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) प्रदत्त प्रकरण में विभिन्न नैतिक चिंताओं की विवेचना कीजिए।

(c) आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं और आप इनमें से किस विकल्प का चयन करेंगे? औचित्य सिद्ध कीजिए।

विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में भूमि अधिग्रहण एवं उससे होता पलायन आज की लोकसेवा के सामने एक बड़ा नैतिक संकट बनकर

उभरा है। उपर्युक्त केसस्टडी में अधोलिखित हितधारक सम्मिलित हैं।

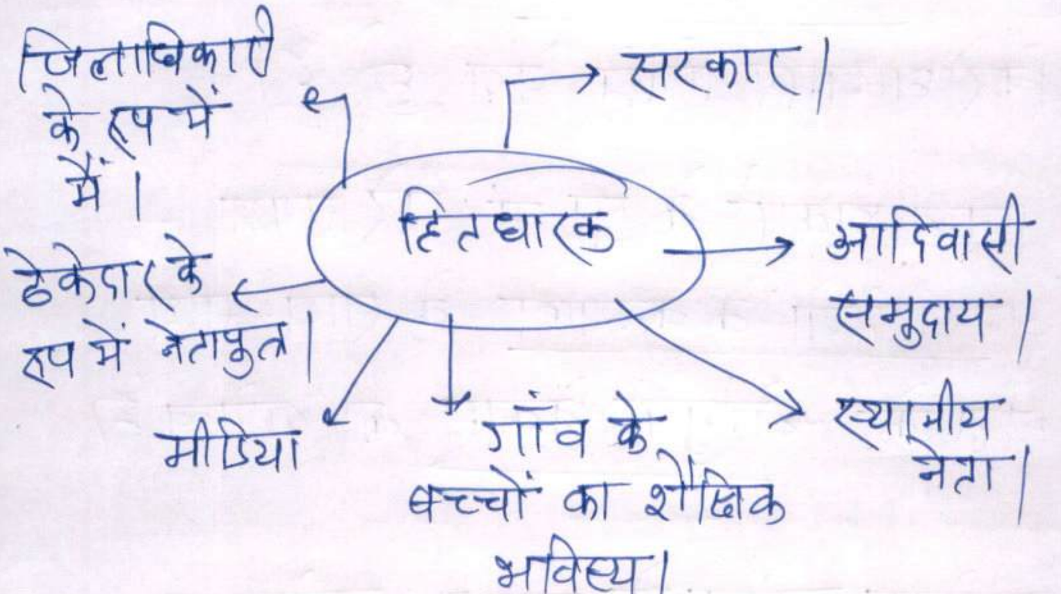

उपर्युक्त केस में विभिन्न हितधारकों के हित

- आदिवासियों को आवास छिनने का भय।
- बच्चों की शिक्षा का हित।
- नेता के वोटबैंक का हित।
- नेतापुत्र का आर्थिक हित।
- जिलाधिकारी के रूप में मेरा सामाजिक कल्याण एवं आर्थिक विकास को लक्षित करने का उद्देश्य
-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रकरण में नैतिक चिंताएँ

- क्षेत्र में शिक्षा के विकास एवं आदिवासियों के आवासीय अधिकारों के बीच विरोधाभासी स्थिति पैदा हुई है।
- जिलाधिकारी के रूप में मेरे समक्ष जनजातियों के कल्याण के साथ-साथ क्षेत्र के चौमुखी विकास का दायित्व है।
- मीडिया कवरेज से मुद्दे के राष्ट्रीयकरण राजनीतिकरण होने एवं आदिवासी असंतोष बढ़ने की चिंता है।

उपलब्ध विकल्प

- विद्यालय निर्माण हेतु अन्य जगह जमीन उपलब्ध करवायी जाय।
- आदिवासियों को जबरदस्ती वहाँ से स्थानांतरित किया जाय।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ आदिवासियों के विस्थापन की स्थिति में पर्याप्त पुनर्वास सुविधा दी जाय और विस्थापन भी अनुनयन द्वारा किया जाय, खासतौर से आदिवासी नेताओं के माध्यम से।

→ आदिवासियों को शिक्षा के लाभ के बारे में जागरूक करते हुए उनका सहयोग प्राप्त किया जाय।

→ विद्यालय निर्माण की योजना स्थगित कर दी जाय।

उचित विकल्प

→ प्रशासन द्वारा मैं आदिवासियों की सामूहिक बैठक आयोजित करूंगा जिसमें आदिवासी महिलाएँ भी होंगी और आदिवासी नेता भी। उनसब को शिक्षा के महत्व एवं विद्यालय की आवश्यकता के संबंध में अनुनयित

करने का प्रयास करूंगा।

→ पहले तो कोशिश करूंगा कि अन्य जगह जमीन उपलब्ध हो जाय विद्यालय हेतु। यदि ऐसा संभव नहीं है तो फिर आदिवासियों की के पुनर्वासन की एक विस्तृत योजना तैयार करवाकर इसे आदिवासियों के समक्ष प्रकट करूंगा।

→ पुनर्वासन की योजना, शिक्षा के महत्व के साथ-साथ स्थानीय नेता एवं आदिवासी नेताओं के बीच बैठक द्वारा हल निकालने का भी प्रयास समानांतर रूप से करूंगा।

→ उपर्युक्त कार्यवाहियों से मीडिया को भी अवगत कराने से विद्रोह चेतना को दबाकर विकास कार्य को भी बाधित किया जा सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Across the world, there is often a taxing demand on correct manners, etiquettes and moral responsibility by celebrities and public figures and there is huge public outrage if they act carelessly. Even for small mistakes, public figures have to apologise, or take an early retirement out of shame. This is often aggravated by the media, which relentlessly reports on the issue and the public who enjoy the voyeurism offered by entertainment – footage of star cars being chased, leaked WhatsApp chats etc. Further, there is hardly any unbiased and civil debate when it comes to celebrities and their social responsibilities. In most cases, the argument does not even centre around the actual issue and gets subsumed by overarching subplots. Messy trolling, often misdirected, is a common feature in all. Even serious issues like suicide and drug use are reduced to parenting problems and witch-hunt is often seen. In this context:

(a) Is there any difference between a public figure and private person when it comes to privacy? Should public figures also have some reasonable amount of privacy?

(b) Do you think it is fair to expect role models, such as celebrities and public figures, to act more responsibly as compared to ordinary citizens?

(c) Discuss the importance of responsible journalism in this context.

(20)

विश्व भर में, प्रसिद्ध व्यक्तियों और सार्वजनिक हस्तियों के लिए प्रायः उचित आचरण, शिष्टाचार और नैतिक जिम्मेदारियों के निर्धारण की मांग की जाती है और यदि वे लापरवाही भरा व्यवहार करते हैं तो व्यापक स्तर पर जन आक्रोश उत्पन्न होता है। छोटी-छोटी गलतियों के लिए भी, सार्वजनिक हस्तियों को माफी मांगनी पड़ती है, या शर्म के कारण से समय-पूर्व सेवानिवृत्ति लेनी पड़ती है। मीडिया, जो इस मुद्दे को लगातार रिपोर्ट करता है और जनता, जो मनोरंजन द्वारा पेश की जाने वाली दृश्यता- अभिनेताओं की कारों का पीछा करने, व्हाट्सएप चैट लीक करने आदि के फुटेज का आनंद लेती है, उनके द्वारा इसे और अधिक बढ़ावा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, जब प्रतिष्ठित व्यक्तियों और उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों की बात आती है तो शायद ही कोई निष्पक्ष और नागरिक बहस होती है। अधिकांश मामलों में, तर्क वास्तविक मुद्दे के इर्द-गिर्द भी केंद्रित नहीं होता है और सबप्लॉट्स को व्यापक करके समाहित हो जाता है। अभद्र ट्रोलिंग, जिसे अक्सर गलत दिशा में निर्देशित किया जाता है, सभी मुद्दों में एक सामान्य विशेषता हैं। यहां तक कि आत्महत्या और नशीली दवाओं के उपयोग जैसे गंभीर मुद्दों को भी पालन-पोषण की समस्याओं के रूप में घोषित कर दिया जाता है और अक्सर समाज के असमाजिक तत्वों के विरुद्ध अभियान उत्पन्न होता है। इस संदर्भ में:

(a) जब गोपनीयता की बात आती है तो क्या सार्वजनिक व्यक्ति और निजी व्यक्ति के बीच कोई अंतर होता है? क्या सार्वजनिक हस्तियों को भी उचित मात्रा में गोपनीयता रखनी चाहिए?

(b) क्या आपको लगता है कि आम नागरिकों की तुलना में प्रसिद्ध व्यक्तियों और सार्वजनिक हस्तियों जैसे रोल मॉडल से अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने की अपेक्षा करना उचित है?

(c) इस संदर्भ में जिम्मेदार पत्रकारिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

सूचना क्रांति ने जहाँ नागरिकों तक सूचनाओं की तीव्र पहुँच सुनिश्चित कर नागरिक सशक्तीकरण किया है वहीं इसने कई नैतिक मुद्दों को भी जन्म दिया है जिसमें सबसे बड़ा है 'निजता के हनन' का मुद्दा।

सार्वजनिक व्यक्तियों की गोपनीयता

→ अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत एवं शाहरुख खान के पुत्र के संबंध में जिस तरह मीडिया द्वारा तथा सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा ट्रोलिंग हुई उसने इस दिशा में नए विमर्श का सृजन किया है।

→ वस्तुत: 'निजता का अधिकार' भारत में पुट्टास्वामी वाद के तहत मौलिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिकार के रूप में स्वीकृत है। इसका तात्पर्य है कि सभी नागरिक एवं विदेशी नागरिक इस संबंध में एक तरह माने जाने चाहिए। सार्वजनिक व्यक्तियों के निजता का यदि सम्मान नहीं होता है तो यह 'विधि के समक्ष समता' एवं 'विधि के शासन' के सिद्धांत का भी उल्लंघन होगा।

→ हाँ, यह बात जरूर है कि आम आदमी की तुलना में उनके लिए अपनी निजी जिंदगी को 'निजी' रखना मुश्किल होता है, फिर भी एक सीमा अवश्य होनी चाहिए जिसके आगे निजता का उल्लंघन न हो।

प्रसिद्ध व्यक्तियों की जिम्मेदारी

→ प्रसिद्ध व्यक्ति आज के दौर में बड़ी संख्या में न सिर्फ अपने पेशेवर कार्यों से बल्कि सोशल मीडिया के

प्रयोग द्वारा निजी स्तर पर भी लोगों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में उन्हें इस संबंध में सतर्क रहना चाहिए कि इनके कृत्यों से लाखों लोग प्रभावित हो सकते हैं।

जिम्मेदार पत्रकारिता का महत्व

→ पत्रकारिता की पहुँच पहले से कहीं अधिक तीव्र, प्रभावी एवं व्यापक हुई है अतः समाज पर इसकी गतिविधि का नकारात्मक प्रभाव न पड़े यह सुनिश्चित करना जरूरी।

→ मीडिया का विश्वसनीय बने रहना, लोकतंत्र के विकास में जरूरी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ T.R.P. एवं व्यवसायिक नैतिकता के मध्य द्वंद्व में T.R.P. को चुनने से एक गलत तरह की प्रतिस्पर्धा प्रवृत्ति का सृजन होता है जिससे पूरा मीडिया जगत प्रभावित होता है।

हाल ही में सरकार द्वारा मीडिया (डिजिटल, सोशल आदि) के स्वविनियमन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ सरकारी नियामकीय प्रावधानों को भी कठोर किया गया है। निश्चय ही यह उपर्युक्त चुनौतियों से लड़ने में सहायक हो सकता है।

12. You are the Municipal Commissioner of a large city, which has witnessed unprecedented increase in biomedical waste. Recently, 15 sanitation workers lost their lives and close to 100 have been seriously infected owing to this increase in waste. Apart from biomedical waste, the city is also facing a major problem in management of household waste. There is a view that the COVID-19 pandemic has exacerbated the problems of the waste management sector. Despite the fact that the government has notified rules regarding disposal, collection and treatment of waste and has initiated numerous awareness campaigns in the past, still, the problem does not seem to be getting under control. In view of this, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and the significance of their involvement in addressing the issue.

(b) In your opinion, what are the reasons behind apathy of people towards issues like waste disposal that affect the larger interests of the society?

(c) As the Municipal Commissioner, suggest some practical techniques to bring about an attitudinal change among residents of the city towards this issue. **(20)**

आप एक बड़े शहर के नगर आयुक्त हैं, जिसके जैव चिकित्सा अपशिष्ट में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। हाल ही में, 15 सफाई कर्मचारियों की मृत्यु हो गई और अपशिष्ट में इस वृद्धि के कारण लगभग 100 कर्मचारी गंभीर रूप से संक्रमित हो गए हैं। जैव चिकित्सा अपशिष्ट के अतिरिक्त शहर को घरेलू अपशिष्ट के प्रबंधन में भी बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एक विचार है कि कोविड-19 महामारी ने अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र की समस्याओं को बढ़ा दिया है। इस तथ्य के बावजूद कि सरकार ने अपशिष्ट के निपटान, संग्रह और उपचार के संबंध में नियमों को अधिसूचित किया है तथा अतीत में कई जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, फिर भी समस्या पर नियंत्रण नहीं किया जा सका है। इसके आलोक में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और इस मुद्दे को हल करने में उनकी भागीदारी के महत्व की पहचान कीजिए।

(b) आपके विचार में, अपशिष्ट निपटान जैसे मुद्दों के प्रति लोगों की उदासीनता के पीछे क्या कारण हैं जो समाज के व्यापक हितों को प्रभावित करते हैं?

(c) नगर आयुक्त के रूप में, इस मुद्दे के प्रति शहर के निवासियों की अभिवृत्ति में परिवर्तन लाने के लिए कुछ व्यावहारिक तकनीकों का सुझाव दीजिए।

COVID-19 ने पहले से ही
अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या को झेल रहे
नगरों में जैव चिकित्सा अपशिष्ट में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अचानक बढ़ी वृद्धि करके तीव्रता को कई गुना बढ़ा दिया है। इस दिशा में नियामिकीय सावधानों की बात करें तो अलग-अलग अपशिष्ट प्रबंधन हेतु अलग-अलग नियम मौजूद हैं और हाल ही में विस्तारित उत्तरदायित्व की अवधारणा को भी बल मिला है फिर भी समस्याएं तीव्रता के साथ मौजूद हैं:-

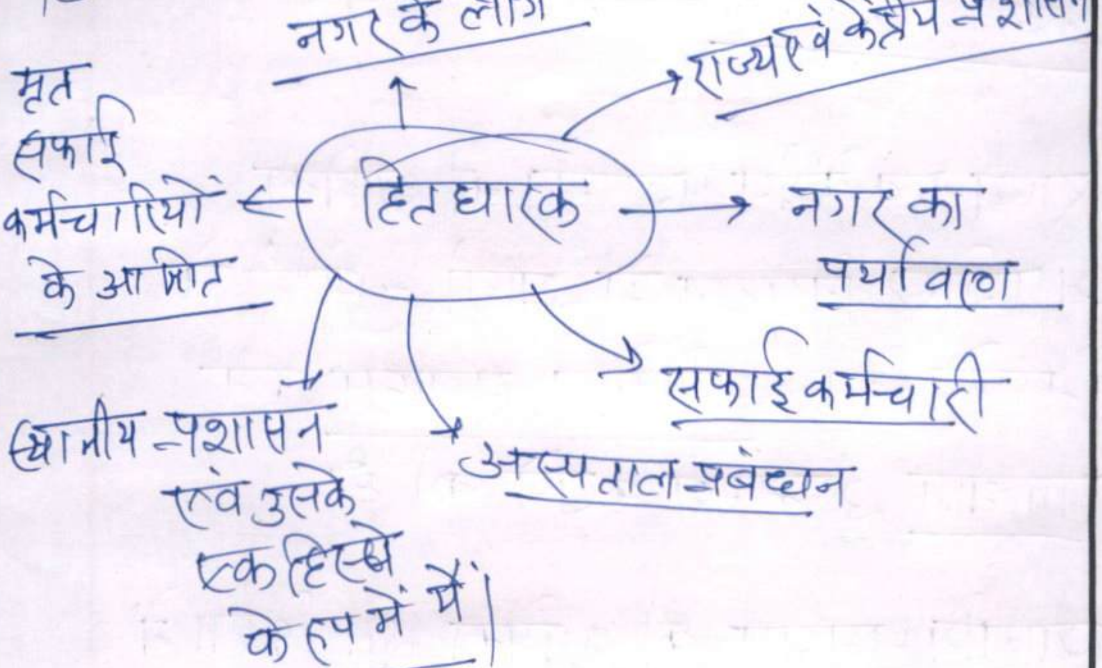

विभिन्न हितधारकों की भूमिका

→ अस्पताल प्रबंधन की भूमिका अपने

विस्तारित उत्तरदायित्व के निर्वहन की है जिसमें उनके द्वारा जैव चिकित्सा अपशिष्ट का वर्गीकृत निपटान सुनिश्चित करवाना है।

→ स्थानीय प्रशासन (मेरी) भूमिका अपशिष्ट निपटान मानदंडों को सुनिश्चित करवाने के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करवाना भी है।

⇒ राज्य एवं केंद्रीय प्रशासन की भूमिका अपशिष्ट निपटान में आयी चुनौती से निपटने हेतु अतिरिक्त संसाधन एवं समाधान उपलब्ध कराने की है।

⇒ स्थानीय समुदाय की भूमिका इस दिशा में स्वेच्छात्मक सहयोग प्रदान करने की है।

⇒ सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के संदर्भ में उन्हें जागरूक करने एवं प्रशिक्षित करने

का दायित्व भी प्रशासन का है।

उदासीनता के कारण

→ स्थानीय समुदाय में जागरूकता की कमी अतः वे इस हेतु प्रशासन एवं नेताओं पर विशेष दबाव नहीं बनाते।

→ कानूनों एवं नियमों के लचर क्रियान्वयन की संस्कृति विभिन्न हितधारकों को अपनी भूमिका हेतु प्रेरित नहीं करती।

→ दंड के प्रावधानों का कठोर न होना।

→ सफाई कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता की कमी।

स्थानीय निवासियों का अभिवृत्ति परिवर्तन

→ अभिवृत्ति में परिवर्तन हेतु अनुनयन एक प्रभावी तरीका है इस दिशा में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रयास करेगा।

→ अपशिष्ट के गलत निपटान के प्रभावों के संबंध में आंकड़े प्रस्तुत कर उनके संज्ञानात्मक दृष्टिकोण में परिवर्तन से अभिवृत्ति परिवर्तन का प्रयास करेगा।

→ बच्चों को जागरूक करने हेतु स्कूलों को निर्देशित किया जा सकता है ताकि वे परिवार वालों को भी प्रेरित करें।

→ नागरिक समाज संगठनों का जागरूकता हेतु सहयोग लिया जा सकता है।